an>

Title:Need to include Lakhimpur in Ramayan circuit to promote tourism.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा लोक सभा क्षेत्र प्राकृतिक रूप से नदियों और जंगलों से घिरा होने के कारण एक बेहद खूबसूरत क्षेत्र है, जहां उत्तर प्रदेश का एकमात्र रिजर्व फॉरेस्ट दुधवा नेशनल पार्क स्थित है, जहां शेर, चीता, तेंदुआ, गैंडा, हाथी व हिरण आदि की कई जातियां मिलती हैं। इसके साथ लखीमपुर जिला ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व भी रखता है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने यहां पर रुक कर रामचरितमानस की रचना की थी, जिसकी हस्तलिखित पांडुलिपी भी यहां पर उपलब्ध है। इसके साथ-साथ ज्योमेट्रिकल मैथ पर एक मेंडक मंदिर भी है। महाभारत के समय में ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि पांडव यहां पर अपने अज्ञातवास में रुके थे। राजा परिक्षित ने एक नाग यज्ञ किया था वह भी लखीमपुर में हुआ था। गोला में एक भगवान शिव का मंदिर है, जिसे छोटी काशी के नाम से जाना जाता है। वहां एक काली मंदिर ,अंतर्वेद आश्रम, संकटा देवी मंदिर और मिलौटी नाथ की पौराणिक महत्व के मंदिर हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जो रामायण सर्किट बनाया जा रहा है उसमें लखीमपुर को भी शामिल करके पर्यटन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान दिया जाए।